REDEMAND FOR DISCUSSION ON DISSOLUTION OF KARNATAKA ASSEMBLY

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : What about the discussion on the Karnataka Assembly dissolution?

THE DEPUTY CHAIRMAN: We will decide. The House will be informed.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will it be soon?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us hope so.

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M.M. JACOB): Madam, I mentioned in the morning when the opposition leaders were shouting that the Government is prepared to discuss the Karnataka issue even today itself. We have expressed the willingness to discuss.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Government is willing to discuss it even today.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I am also ready to discuss

SPECIAL MENTIONS

Sad Plight of the "MAZAR" of Freedom Fighter Hakim Ajmal Khan

श्री शमीम अहमद सिद्दीकी (दिल्ली): डिप्टी चेयरमैन साहिबा, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान हिन्दुस्तान के सफे अव्वल के रहनुमा और जंगे आजादी के मुजाहिद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित मोती लाल नेहरू के साथी अजमल खां की तरफ दिलाना चाहता हूं । जंगे आजदी के मुजाहिद होने के अलावा उन्होंने भारत का नाम तिब्बे यूनानी के जरिये पूरी दुनिया में रोशन किया । उन्होंने इस मुल्क के अंदर कौमी यक-जहती की बढ़ावा देने के लिए तिब्बिया कालेज और आयुर्वेदिक युनानी कालिज की बुनियाद रखी । हिन्दुस्तानी दवाखाना बनाया और अरबों रुपये की प्रोपर्टी जो तिब्बिया कालिज और हिन्दुस्तानी दवाखाने की है वह आज दिल्ली हुकूमत के कब्जे में है । उनके मजार की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं । यह मजार पंचकुइयां रोड, नई दिल्ली के अन्दर है जिसकी हालत इतनी खस्ता है कि कोई नहीं पहचान सकता कि जंगे आजादी के इतने बड़े मुजाहिद आज कहां पर है । उनकी कब्र के पास नाजायज तामीरात हैं जिसकी वजह से हिन्दुस्तान के उन करोड़ों लोगों के जो जंगे आजादी के मुजाहिदों से मुहब्बत और यकीदत रखते हैं, जजबात को ठेस पहुंचती है, तकलीफ पहुंचती है जब वह हकीम अजमल खां की तरफ देखते हैं । मैं खास तौर से मिनिस्ट्री फार अरबन डवलपमेंट से दखास्त करता हूं कि जिस मुजाहिद ने हजारों, लाखों रुपये की इम्लाक छोड़ी है जो हुकूमत के कब्जे के अन्दर है, आज उसके मजार के ऊपर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और चारों तरफ नाजायज तामीरात है । उनके खिराजे अकीदत पेश करने के लिए उनकी शानेशान यादगार कायम करने के लिए जबकि जंगे आजादी की 40वीं सालगिरह मना रहे हैं ऐसे मौके पर रमहनुमाओं की यादगारें कायम कर रहे हैं । हकीम अजमल खां ने अपनी यादगार के तौर पर तिब्बिया कालिज कौम के नाम वक्फ किया और अरबों रुपये की प्रोपर्टी छोड़ी । इसके बावजूद आज उनके मजार की हालत ऐसी खराब है कि उससे हमारा सर शर्म से झुक जाता है । मेरा मुतालबा है कि उनके मजार के पास जो नाजायज तामीरात है उनको खत्म किया जाए और उनके मजार के ऊपर शायानेशान तामीर कराया जाए ताकि हिन्दुस्तान के जंगे आजादी के मुजाहिदों से अकीदत और मुहब्बत रखने वाले जो लोग है वे अपने रहनुमाओं को याद कर सकें और खिराजें अकीदत पेश कर सकें । मुझे उम्मीद है हुकूमत इस तरफ तवज्जो देगी और उनके मजार की देखभाल करा सकेगी ।